भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2222

गुरूवार, 06 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन का संवर्धन

2222 डा. के. लक्ष्मणः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन 2.0 तथा अन्य पर्यटन पहलों के अंतर्गत, तेलंगाना एवं अन्य जनजातीय क्षेत्रों सहित, जनजातीय होमस्टे पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में क्या प्रगति हुई है;

(ख) भारत को चिकित्सा पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने हेतु, जिसमें हैदराबाद जैसे विश्वस्तरीय स्वास्थ्य-देखभाल केंद्रों का लाभ उठाना तथा पर्यटन हितधारकों, पर्यटक मार्गदर्शकों एवं आतिथ्य कर्मियों के कौशल को सुदृढ़ करने हेतु क्या पहलें की गई हैं; और

(ग) देशभर में व्यवसायिक एवं सम्मेलन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलन केंद्रों सहित एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन यात्राएं, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी) पर्यटन की अवसंरचना के विकास हेतु क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन 2.0 की एक उप-योजना 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' नामक योजना के तहत होमस्टे विकास, क्षमता निर्माण और सतत पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देने के माध्यम से समुदाय-आधारित पर्यटन का संवर्धन करता है। उपरोक्त योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ख) और (ग): पर्यटन मंत्रालय चिकित्सा और आरोग्य पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार करने, चिकित्सा और आरोग्य पर्यटन पर विषयगत प्रचार फिल्मों के निर्माण जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। इसके

अलावा, योग/आयुर्वेद/आरोग्य पर्यटन संबंधी उत्पादों का अन्य के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रचार किया जाता है।

मंत्रालय ने सिटी एमआईसीई की स्थापना के लिए वर्ष 2024 में मॉडल दिशानिर्देश तैयार किए हैं और उन्हें राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों में उपयुक्त संशोधनों के साथ संदर्भ लेने और अपनाने के लिए परिचालित किया है। राज्य सरकारों से एमआईसीई पारिस्थितिकी तंत्र एवं संबंधित सेवाओं को मजबूत करने और अधिक घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बैठकों को आकर्षित करने के लिए हितधारकों के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया गया है। मंत्रालय द्वारा प्रमुख गंतव्यों पर एमआईसीई सुविधाओं को उजागर करने वाला एक डिजिटल एमआईसीई कैटलॉग भी तैयार किया गया है।

****

अनुबंध

डा. के. लक्ष्मण द्वारा पर्यटन के संवर्धन के संबंध में दिनांक 06.08.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 2222 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

राशि (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**प्राधिकृत राशि**
1.	आंध्र प्रदेश	2025-26	मारेदुमिली क्लस्टर, आंध्र प्रदेश में जनजातीय होमस्टे का विकास	1.23	0.615
2.	लद्दख	2025-26	शाम, सुरू और आर्यन घाटी क्लस्टर, लद्दाख में जनजातीय होमस्टे का विकास	4.59	2.29
3.	मध्य प्रदेश	2025-26	मध्य प्रदेश के करंजिया और पुष्पराजगढ़ क्लस्टर में जनजातीय होमस्टे का विकास	5.00	2.5
4.	मिजोरम	2025-26	मध्य और दक्षिणी क्लस्टर, मिजोरम में जनजातीय होमस्टे का विकास	5.00	2.5
5.	उत्तराखंड	2025-26	चकराता क्लस्टर, उत्तराखंड में जनजातीय होमस्टे का विकास	1.70	0.85
			कुल	**17.52**	**8.755**

*****